DEPARTMENT OF HINDI

After successful completion of 3 year of BA programme in subject HINDI a student should be able to :

PROGRAM OUTCOME (PO) OF –BA

PO-1 मानवीय मूल्यों की प्रप्ति ।

PO-2 समाज सेवा की भावना ।

PO-3 जिम्मेदार और कर्तव्यपरायण नागरिक ।

PO-4 गंभीर स्वभाव ।

PO-5 रचनात्मक क्षमता ।

PO-6 सामाजिक समस्याओं का ज्ञान ।

PO-7 देश प्रेम की भावना ।

PO-8 विचारवान नागरिक ।

Program Specific Outcomes (PSO) of BA Hindi:

PSO-1 हिंदी भाषा और साहित्य की उत्पत्ति को समझना ।

PSO-2 हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं को समझना ।

PSO-3 समृद्ध हिंदी शब्दावलियों का ज्ञान ।

PSO-4 हिंदी साहित्य के पीछे के दर्शन को समझना ।

PSO-5 अतीत से वर्तमान तक के हिंदी साहित्य का मूल्यांकन करना और इसे समाज को समझने के लिए एक लेंस के रूप में उपयोग करना ।

Course outcome: B.A

Subject: Hindi.

Semester- 1

Core-1 हिंदी साहित्य का इतिहास भाग-1

1। हिंदी साहित्य का प्रारम्भिक स्तर का ज्ञान , साहित्य के इतिहास बोध की जानकारी , प्रमुख इतिहास ग्रंथों की जानकारी तथा समाज के विषम परिस्थितियों का ज्ञान मिलता है।

2। धार्मिकता का सामाजिकता के साथ सम्बंध तथा साहित्तिक रचनाओं के माध्यम से समाज में एकता की भावना उत्तपन करने का ज्ञान मिलता है ।

3। गुरु के महत्व को प्रतिपादित करना ।

4 । जाति धर्म से उपर उठ कर मानवीयता पर बल देने का ज्ञान मिलता है ।

5 । भाषा , संस्कृती , कला एवं शास्त्रीयता का परिचय मिलता है ।

Core-2: भक्ति कालीन हिंदी कविता [निर्गुण एवं राम भक्तिधारा]

1। जातिगत एवं धर्मगत भेद भाव को मिटाते हुए अनेकता में एकता का ज्ञान मिलता है ।

2 । भारतीय समाज में फैली अंध विश्वास को मिटाने का तथा तर्क संगत समाजिक समाज की स्थापना का ज्ञान मिलता है ।

3 । लौकीक प्रेम को अलौकीक रूप देना । अर्थात निःस्वार्थ प्रेम ही ईश्वर प्राप्ती का साधन बताया गया है ।

4 । तुलसी दास के भरत महिमा के माध्यम से भातृ प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया है ।

5 । राम के चरित्र के माध्यम से आदर्श व्यक्तित्व के निर्माण का ज्ञान मिलता है ।

Semester-2:

Core 3:

[हिंदी साहित्य का इतिहास भाग-2]

1. आधुनिक काल के परिस्थितियों का परिचय मिलने के साथ साथ महापुरुषों द्वारा किए गये समाज सुधार कार्यों से प्रेरणा मिलती है ।
2. हिंदी गद्य के विकास का ज्ञान मिलता है ।
3. राष्ट्र प्रेम की भावना तथा ईश्वर प्रेम की अपेक्षा मानवीय प्रेम पर बल दिया जाता है ।
4. कुप्रथाओं का विरोध तथा नारी के सम्मान पर बल दिया जाता है ।
5. प्रेम की पवित्रता , प्रकृति से प्रेरीत होना तथा बदलते हुए सामाजिक परिस्थितियों में मानवीय सम्बंधों को समझने का ज्ञान मिलता है ।

Core 4:

[कृश्न भक्ति एवं रीतिकालीन कविता]

1. इसमें यह बताया गया है कि आडम्बर विहिन निःस्वार्थ प्रेम ही मानव को ईश्वर के साथ जोड़ता है ।
2. । सुर दास के भ्रमर गीत में ज्ञान की अपेक्षा प्रेम पर अधिक बल दिया गया है । इसमें प्रेम भावना की मनोविज्ञान को समझने का ज्ञान मिलता है ।
3. रीतिकाल के स्वरूप का परिचय मिलता है ।
4. विहारि के भक्ति परक पदों में भकति एवं शास्त्रियता का परिचय मिलता है ।
5. घनानंद के पदों में प्रेम के महत्व के बारे में समझने को मिलता है ।

Semester-3:

Core-5:

[अनुवाद सिद्धांत]

1. अनुवाद का अर्थ एवं अनुवाद के बारे में समझना ।
2. अनुवाद करने की विधि को समझना ।
3. अनुवाद के विभिन्न प्रकार को समझना ।
4. अनुवाद के विभिन्न सिद्धांतों की जानकारी प्रप्त करना ।

5. अनुवाद की उपयोगिता एवं उसकी व्यापकता के बारे में जानकारी प्रप्त करना ।

Core-6:

[हिंदी कथा साहित्य [उपन्यास]]

1. उपन्यास साहित्य का समाज एवं सामाजिक समस्या के साथ सम्बंध को समझना ।
2. भारतीयसमाज के मेहनतकश वर्ग जैसे किसान एवं मजदूरों की समस्या को साहित्य के माध्रम से समझना ।
3. साहित्तिक रचनाओं के माध्यम से स्त्री समस्या के बारे में जाग्रुक होना ।
4. पारिवारिक जीवन की समस्याओं की जानकारी ।
5. पारिवारिक समस्या एवं बाल मनोविज्ञान को समझना ।

Core-7:

[हिंदी कथा साहित्य [कहानि]]

1 । कहानि हिंदी साहित्य की एक विधा है । यहां छोटे छोटे विषयों में समाज के विभिन्न अंगों का परिचय प्रप्त होता है ।

2 । ऐतिहासिक एवं सामाजिक विषयों से प्रेम , विश्वास एवं दारिद्रीय की समस्या को समझना ।

3 । यहां राजनीति , परिवार में बड़ों का महत्व एवं आजीवन कर्मरत रहने की प्रेरणा मिलति है ।

4 । मानव जीवन की विबिधता से परिचित होना ।

5 ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों का ज्ञान प्रप्त करना ।

Semester-4:

Core-8:

[कथा ईतर गद्य साहित्य]

1. रेखा चित्र , संस्मरण एवं जीवनि साहित्य के विकाश को समझना ।
2. आत्मकथा हिंदी साहित्य की एक विधा है । यहां व्यक्ति अपने जीवन की कथा स्वयं लिखता है। इस विधा के विकाश क्रम को समझना ।

3. संस्मरण यानी किसी घटणा , विषय या व्यक्ति विशेष को याद करते हुए रचना प्रस्तुत करना एवं रेखाचित्र यानी किसी घटना , विषय या व्यक्ति विशेष के जीवन का रेखांकित करते हुए रचना प्रस्तुत करना आदि विषय को उदाहरण सहित समझना ।
4. समाज एवं जीवन के किसी विषय को विस्तार से जाननआ ।
5. चरित्र निर्माण एवं कर्मठता का ज्ञान मिलता है ।

Core-9:

[आधुनिक हिंदी कविता भाग-1]

1. ऐतिहासिक विषयों को आधुनिक विचारधाराओं के साथ प्रस्तुत किया गया है ।
2. मनुष्य की भाव संवेदना को समझने की कला विकसित होती है ।
3. निराला की कविताओं से प्रकृति के सौंदर्य तथा दरिद्रता से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी मिलती है ।
4. पंत की कविताओं में प्रकृति का अदभुत सौंदर्य का दर्शन समझने को मिलता है ।

5. महादेवी वर्मा की कविताओं में दुःख , वेदना तथा प्रेम और स्नेह भाव का परिचय मिलता है । ईसे पढ़कर पाठक अधिक संवेदनशील होता है ।

Core-10:

[भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा]

1. भाषा के विभिन्न अव्ययों से परिचित होना ।
2. सभ्यता के विकाश में भषा के महत्वपूर्न भूमिका के बारे में जानना ।
3. भाषा परिवत्तन के कारणो के बारे में समझ विकशित होना ।
4. हिंदी भाषा के आधुनिक रूप , उसके मानकीकरण एवं भारतीय समाज में हिंदी भाषा के महत्व के बारे में जानना ।
5. यह समस्त जानकारी भाषा के विकाश में महत्वपूर्न भूमिका निभाती है तथा हिंदी भाषा के सतत विकास में सहायक होती है ।

Semester-5:

Core-11:

[हिंदी नाटक और रंगमंच]

1 भारतीय रंगमंच की जानकारी मिलती है ।
2 पाश्चात्य रंगमंच की जानकारी मिलती है ।
3 मोहन राकेश द्वरा प्रस्तुत आशाढ़ का एक दिन नाटक में प्रेम , सामाजिक सम्बंध एवं व्यक्तीयों की मानसिक स्थितियों के बारे में बताया गया है ।
4 वचन एवं दान के महत्व की जानकारी मिलती है ।
5 पाठक इन समस्त विषयों से सामाजिक जीवन की कला एवं समाज के सुख्म विषयों से परिचित होता है ।

Core-12:

[भारतीय काव्य शास्त्र]

1 काव्य का शास्त्रीय ज्ञान मिलता है । यहां पाठक काव्य के विभिन्न सिद्धांतों से परिचित होता है ।
2 कविता का अर्थ , काव्य की आवश्यकता एवं शब्दों के माध्यम से भाषा शैली का ज्ञान प्रप्त करते हैं ।

3 रस सिद्धांत की जानकारी मिलती है । यहां मनुष्यके मन में उठने वाले विभिन्न भावों की जानकारी तथा इन्हीं स्थाई भावों के माध्यम से किसप्रकार व्यक्ति विशेष का उत्थान एवं पतन होता है इसका पता चलता है ।

4 रीति सिद्धांत एवं अलंकार सिद्धांत की जानकारी मिलती है ।

5 छंदों की जानकारी मिलती है । जो कविता को गति एवं लय प्रदान करने का काम करता है ।

DSE-1:

[तुलसी दास]

1 तुलसी दास के समय के सामाजिक , राजनैतिक , धार्मिक एवं आर्थिक परिस्थितियों की जानकारी मिलती है ।

2 तुलसी साहित्य में तथा तत्कालीन समाज में नारी सम्बंधि मनो भावों की जानकारी होती है ।

3 तुलसी दास की भक्ति भावों की जानकारी के साथ साथ भक्ति के विभिन्न सोपानो का पता चलता है ।

4 तुलसी के साहित्य में समन्वय भाव का ज्ञान मिलता है ।

5 विनय पत्रिका एवं रामचरितमानस में निहीत भक्ति , शील , सौंदर्य एवं मर्यदा के महत्व का पता चलता है ।

DSE-2:

[प्रेमचंद]

1 प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य से तत्कालीन सामाजिक , राजनैतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त होता है ।
2 प्रेमचंद उपन्यास में निहीत भारतीय किसानो की दयनीअ स्थिती की जानकारी मिलती है ।
3 प्रेमचंद के उपन्यास में देश प्रेम की भावना तथा स्वतंत्रता आंदोलन की जानकारी मिलती है ।
4 प्रेमचंद के उपन्यास सेवासदन में नारी समस्याओं की जानकारी मिलती है ।
5 प्रेमचंद के कथा साहित्य में आदर्शोन्मुखि यथार्थवाद का परिचय मिलता है ।

Semester- 6:

Core-13:

[आधुनिक हिंदी कविता भाग-2]

1 राष्ट्र प्रेम की भावना की झलक ।
2 कविता में मआनवतावादी दृष्टिकोण ।
3 कविता में आंचलिकता का बोध ।
4 जन्म भूमि के प्रति आकर्षण ।
5 समस्त कविताओं के पठन-पाठन से मानवतावादी विचारों का बोध होता है

Core-14:

[पाश्चात्य काव्य शास्त्र]

1 । कविता साहित्य के क्षेत्र में पाश्चात्य दर्शन का महत्व उल्लेखनीय है । प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत से पाठक कविता के आदर्श रूप से परिचित होते हैं ।

2 । अरस्तु के काव्य सिद्धांत से पाठक मनुष्य के दुःख एवं मनोविकारों के शमन के लिए कविता की उपयोगिता को समझते हैं ।

3 । कविता साहित्य का सम्बंध भाषण कला से भी है । पाठक यहां उत्कृष्ट विचारों को व्यक्त करने की कला जानते हैं ।

4। पाश्चात्य काव्य शास्त्र में पाठक कला , उसके पीछे का दर्शन और उसके मूल्य को समझते हैं ।

5 । पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांतों से सामाजिक , आर्थिक एवं विचारिक सुधार का ज्ञान मिलता है ।

DSE-3:

[कार्यालयी हिंदी]

1 राज भाषा हिंदी के सांविधानिक अधिनीयमों की जानकारी मिलती है ।
2 सरकारि पत्र व्यवहार एवं सरकारि पत्राचार की जानकारी मिलती है ।
3 हिंदी भाषा में कम्प्युटर के प्रयोग की जानकारी मिलती है ।
4 प्रशासनिक शब्दावली की जानकारी मिलती है ।
5 यह पाठ्यक्रम राज भाषा हिंदी के विकाश एवं उसके प्रयोग में सहायक होती है ।

DSE-4:

[परियोजना कार्य]

1. लघु शोध प्रवंध की तैयारि की जानकारी मिलती है ।
2. शोध हेतु अनेक पुस्तकों के पठन-पाठन से ज्ञान का विस्तार होता है ।
3. शोध प्रक्रिया की जानकारी मिलती है ।
4. शोध क्यर्यों से छात्रों की रचनात्मक क्षमता बढ़ती है ।
5. शोध कार्यों से साहित्य का विकाश एवं विस्तार होता है ।